लोबिया की खेती

- वर्षा तथा ग्रीष्म ऋतू में उगाई जाने वाली फसल
- उन्नतशील प्रजातियों का शुद्ध बीज ही प्रयोग करना चाहिए
- बुवाई के समय एवं क्षेत्र की अनुकूलता के अनुसार प्रजातियों का चयन

प्रजातियाँ

❖ अर्का गरिमा	❖ टाइप-5269
❖ पूसा बरसाती	❖ यू.पी.सी-4200
❖ नरेंद्र लोबिया-1	❖ रसियन जाइंट
❖ पूसा दोफसली	❖ आई.जी.एफ-450
❖ पूसा ऋतुराज	❖ सी.ओ.-5
❖ टाइप-2	❖ यू.पी.सी-5287

खेत की तैयारी

- दोमट भूमि तथा बलुई दोमट भूमि उपयुक्त
- क्षारीय भूमि उपयुक्त नहीं
- मृदा का पी.एच. मान 5.5-6.5 उचित
- जल निकास का उचित प्रबंध

- पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से
- बाद में दो-तीन जुताइयां देशी हल या कल्टीवेटर से
- खेत भुरभुरा तथा समतल

बीज की मात्रा एवं बुवाई

बीज की मात्रा :

- 20-25 किलोग्राम बीज / हेक्टेयर

बीज शोधन :

- 2.5 ग्राम थीरम से प्रति किलोग्राम बीज
- बीज उपचार विशिष्ट राइजोबियम कल्चर द्वारा

बीज की बुवाई :

- सुबह 10 बजे से पहले या सायं 4 बजे के बाद
- बुवाई पंक्तियों में
- बुवाई में लाइन से लाइन की दूरी 30-45 सेंटीमीटर तथा पौधे से पौधे की दूरी 10-12 सेंटीमीटर
- बीज की गहराई 3-4 सेंटीमीटर

खाद एवं उर्वरक

- अच्छी उपज के लिए संतुलित उर्वरको का प्रयोग आवश्यक
- मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरको का प्रयोग लाभदायक
- 150-200 कुन्तल सड़ी गोबर की खाद या कम्पोस्ट खाद

उर्वरक :

नत्रजन : 15-20 किलोग्राम / हेक्टर

फास्फोरस : 20-25 किलोग्राम / हेक्टर

पोटाश : 20-25 किलोग्राम / हेक्टर

- ❖ नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा बुवाई के समय कूंड में

सिचाई

- 2-3 सिचाइयां पर्याप्त
- फूल निकलते समय तथा फली बनते समय खेत में पर्याप्त नमी की आवश्यकता

खरपतवार नियंत्रण

- बुवाई के 20-25 दिन बाद एक निराई-गुड़ाई
- 2 किलोग्राम एलाक्लोर / हेक्टर

रोग नियंत्रण

- जीवाणु अंगमारी
- मोजैक रोग

जीवाणु अंगमारी :

- बीज पत्र लाल रंग के होकर सिकुड़ जाते हैं
- नई पत्तियों पर सूखे धब्बे बनते हैं
- पौधों की कलिकाएं नष्ट हो जाती हैं।

रोकथाम :

- बीज उपचार
- रोगी पौधों के अवशेषो को नष्ट कर देना चाहिए
- कॉपर ऑक्सीक्लोराइड की 3 किलोग्राम /हेक्टेयर

लोबिया मोजैक :

- ग्रषित पौधों की पत्तियां हल्की पीली हो जाती हैं
- रोग की उग्र अवस्था में पत्तियों का आकार छोटा हो जाता है और उन पर फफोले सदृश्य उभार
- रोगी फलियों के दाने सिकुड़े हुए होते हैं तथा दाने कम बनते हैं।

रोकथाम :

- शुद्ध एवं प्रमाणित बीज का प्रयोग
- डाईमिथोएट 30 ईसी 1 लीटर या मिथाइल ओडिमेटान 25 ईसी 1 लीटर / हेक्टेयर

कीट नियंत्रण

- माहू
- फली बेधक

माहू :

- पत्तियो के रस को चुसकर हानि
- पत्तिया सुखने तथा मुडने लगती है
- पौधे की वृद्धि पर प्रभाव

रोकथाम :

- डाईमिथोएट 30 ई.सी. 1 लीटर / हेक्टेयर

फली बेधक कीट :

- लार्वा फूलो एवं फलियों में छेदकर नुकसान पहुंचाते है।

रोकथाम :

- मोनोक्रोटोफास 36 ईसी 600 मिलीलीटर / हेक्टेयर

कटाई एवं उपज

उपज :

- 10-15 कुंतल दाना / हेक्टेयर